This question paper contains 2 printed pages. **May-June, 2024**

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	**121302412**
Title of the Paper	:	**आपस्तबधर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र का इतिहास**
		Āpastambadharmasūtra & History of Dharmaśāstra
Name of the Course	:	**M.A., Sanskrit, LOCF**
Type	:	**EC**
Group	:	**E**
Semester	:	**IV**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए : **7x4=28**
   Explain the following Sutras :
   i. धर्मज्ञसमयः प्रमाणम् वेदाश्च चत्वारो वर्णो ब्राह्मणक्षत्रियवैश्यशूद्राः तेषां पूर्वस्पूर्वो जन्मतश्श्रेयान् अशूद्राणामदुष्टकर्मणामुपायनं वेदाध्ययनमग्न्याधेयं फलवन्ति च कर्मणि।

      अथवा / OR

      मातरं पितरमाचार्यमग्नींश्च गृहाणि च रिक्तपाणिर्नोपगच्छेद्राजानां चेन्न श्रुतमिति तस्मिन्गुरोर्वृत्तिः पुत्रमिवैनमनुकाङ्क्षन्सर्वधर्मष्वनपच्छादयमानः सुयुक्तो विद्यां ग्राहयेत्।

   ii. स्त्रीभिर्यावदर्थसम्भाषी मृदुः शान्तः दान्तः ह्रीमान् दृढधृतिः अग्लाँस्नुः अक्रोधनः अनसूयुः।

      अथवा /OR

      अन्तःशवम् अन्तश्चाण्डालम् अभिनिर्हृतानां तु सीम्न्यनध्यायः संदर्शने चारण्ये तदहरागतेषु च ग्रामं बाह्येष्वपि सत्सु संधावनु स्तनिते रात्रिं स्वप्नपर्यान्तं विद्युति

   iii. तेषां मन्त्राणामुपयोगे द्वादशाहमधश्शय्या ब्रह्मचर्य क्षारलवणवर्जनं च उत्तमस्यैकरात्रमुपवासः बलीनां तस्य तस्य देशे संस्कारो हस्तेन परिमृज्याऽऽवोक्ष्यन्युप्य पश्चात्परिषेचनम्।

अथवा / OR

यथौषदि वनस्पतीनां बीजस्य क्षेत्रकर्म विशेषे फलपरिवृद्धिरेवम् एतेन दोषफलपरिवृद्धि रुक्ता स्तेनोऽभिशस्तो ब्रह्मणो राजन्यो वैश्यो वा परस्मिल्लोके परिमिते निरये वृत्ते जायते चाण्डालो ब्रह्मणः पौल्कसो राजन्यो वैणो वैश्यः।

iv. अभावे भूमिरुदकं तृणानि कल्याणी वागित्येतानि वै सतोऽगारे न क्षीयन्ते कदाचनेति एवं वृत्तावनन्तलोकौ भवतः ब्राह्मणायानधीयानायासनमुदकमन्नमिति देयम् ।

अथवा / OR

पर्वसु चोभयोरुपवासः औपवस्तमेव कालान्तरे भोजनं त्रिप्तिश्चाऽन्नस्य यच्चैनयोः प्रियं स्यात्तदेतस्मिन्नहनि भुञ्जियातामधश्च शयीयाताम् मैथुनवर्जनं च श्वो भूते स्थालीपाकः तस्योपचारः पार्वणेन व्याख्यातः नित्यं लोक उपदिशन्ति ।

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी लिखिये , जिसमें किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** में लिखिए: **5+5+5+7=22**

Write short notes on ***any four*** of the following and **One** Must be in **Sanskrit:**

i.	जीमूतवाहन (Jimutvahan)	अथवा /OR	बलभाट्ट (Bala Bhattu)
ii.	याज्ञवल्क्य (Yajnavalkya)	अथवा /OR	पुरुषार्थ (Purusharth)
iii.	अनध्याय (Anadhyaya)	अथवा /OR	ब्रह्मचारियों के कर्तव्य (Duties of Brahmacari)
iv.	चण्डेश्वर (Chandeshwar)	अथवा /OR	विज्ञानेश्वर (Vijnaneshwar)

3. धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों के आधार पर “वर्णव्यवस्था” का वर्णन कीजिए । **10**

Describe Varna system according to Dharmashastric Literature.

अथवा /OR

धर्मशास्त्रीय ग्रंथों के अनुसार “आश्रमव्यवस्था” का वर्णन कीजिए ।

Describe Ashrama system according to Dharmashastric Literature.

4. धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों के अनुसार संस्कारों का वर्णन कीजिए । **10**

Describe the Samskaras according to ‘Apastambadharmasutra’

अथवा /OR

आपस्तम्बधर्मसूत्र के अनुसार गृहस्थाश्रम के धर्मो का प्रतिपादन कीजिए ।

According to Apastambadharmasutra, enunciate the dharma of Grihasthashrama.